Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 08 दिसंबर, 2020

आगरा मेट्रो रेल परियोजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में वर्चुअल माध्यम से आगरा मेट्रो रेल परियोजना (AMRP) के पहले चरण का उद्घाटन किया है। कुल 8,379.62 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाली आगरा मेट्रो रेल परियोजना के तहत कुल 29.4 किलोमीटर लंबे दो कॉरिडोर का निर्माण प्रस्तावित है। ध्यातव्य है कि इस परियोजना से प्रत्येक वर्ष आगरा के 26 लाख स्थानीय लोगों और 60 लाख पर्यटकों को लाभ मिलेगा। यह परियोजना ताजमहल, आगरा किला, सिकंदरा जैसे प्रमुख पर्यटक स्थलों को रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों से जोड़ेगी। इस परियोजना को आगामी पाँच वर्ष की अवधि में पूरा किया जाएगा। परियोजना के पहले चरण के अंतर्गत सिकंदरा (आगरा) से ताजमहल के पास स्थित ताज ईस्ट गेट के बीच एक कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा, जिसमें कुल छह स्टेशन होंगे। यह मेट्रो रेल परियोजना ताजमहल और आगरा किला जैसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बना देगी, जिससे आगरा में पर्यटन के विकास की संभावना काफी अधिक बढ़ जाएगी। साथ ही यह परियोजना स्थानीय स्तर पर रोज़गार प्रदान करने में भी सहायक होगी।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस

वैश्विक स्तर पर हवाई यात्रा में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) की भूमिका और महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 07 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिवस का आयोजन विभिन्न देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के महत्त्व को रेखांकित करने हेतु किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस का आयोजन सर्वप्रथम वर्ष 1994 में किया गया था। ध्यातव्य है कि 7 दिसंबर, 1944 को शिकागो में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संबंधी अभिसमय/कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किये गए थे। यद्यपि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1994 में हुई थी, किंतु संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 7 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस के रूप में आधिकारिक मान्यता वर्ष 1996 में दी गई थी। अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है, जिसकी स्थापना वर्ष 1944 में हुई थी और इसका प्राथमिक उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन के विकास को बढ़ावा देना है। वर्तमान में भारत समेत इसके कुल 193 देश सदस्य हैं।

त्रैमासिक रिटर्न फाइलिंग और मासिक कर भुगतान योजना

केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली के तहत छोटे करदाताओं के लिये GST प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाने के उद्देश्य से 'त्रैमासिक रिटर्न फाइलिंग और मासिक कर भुगतान' (QRMP) योजना की शुरुआत की है। पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 5 करोड़ रुपए तक का वार्षिक कारोबार करने और 30 नवंबर, 2020 तक GSTR-3B (बिक्री) रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता इस योजना के लिये पात्र होंगे। इस योजना के तहत पात्र लोगों को 01 जनवरी, 2021 से अपना रिटर्न तिमाही आधार पर दाखिल करने और करों का भुगतान मासिक आधार पर करने की अनुमति दी जा सकती है। इसके तहत पाँच करोड़ रुपए तक का कारोबार करने वाले करदाताओं को अपना जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी रिटर्न तिमाही आधार पर दाखिल करने का विकल्प मिलेगा। इस योजना से भारत के लगभग 94 लाख करदाताओं को लाभ प्राप्त होगा, जो कि भारत के संपूर्ण GST करदाताओं के तकरीबन 92 प्रतिशत हैं।

जिउझांग कंप्यूटर

चीन के वैज्ञानिकों ने विश्व के पहले प्रकाश-आधारित क्वांटम कंप्यूटर के विकास का दावा किया है, जो कि पारंपरागत सुपरकंप्यूटर की तुलना में कहीं अधिक तेज़ी से समस्याओं को हल कर सकता है। 'क्वांटम सुप्रीमेसी' का दावा करते हुए चीन ने कहा कि उसके 'जिउझांग' कंप्यूटर ने एक अत्यंत जटिल गणना को मात्र 200 सेकंड में पूरा कर दिया, जबकि विश्व के तीसरे सबसे शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर 'सनवे ताइहुलाइट' को यह गणना करने में 2.5 बिलियन वर्ष से भी अधिक समय लग सकता था। चीन से पूर्व अमेरिका की दिग्गज प्रोद्योगिकी कंपनी 'गूगल' ने भी 'क्वांटम सुप्रीमेसी' का दावा किया था। ध्यातव्य है कि क्वांटम कंप्यूटर किसी भी ऐसी गणना को कर सकता है जिसे आधुनिक सुपरकंप्यूटर करने में सक्षम नहीं है। जब कोई ऐसी गणना, जिसे आधुनिक सुपरकंप्यूटर के माध्यम से करना लगभग असंभव होता है और क्वांटम कंप्यूटर के माध्यम से जल्द ही पूरी कर ली जाती है तो इसे 'क्वांटम सुप्रीमेसी' कहा जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-08-december-2020